चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 07 अगस्त 2026, अंक –330.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

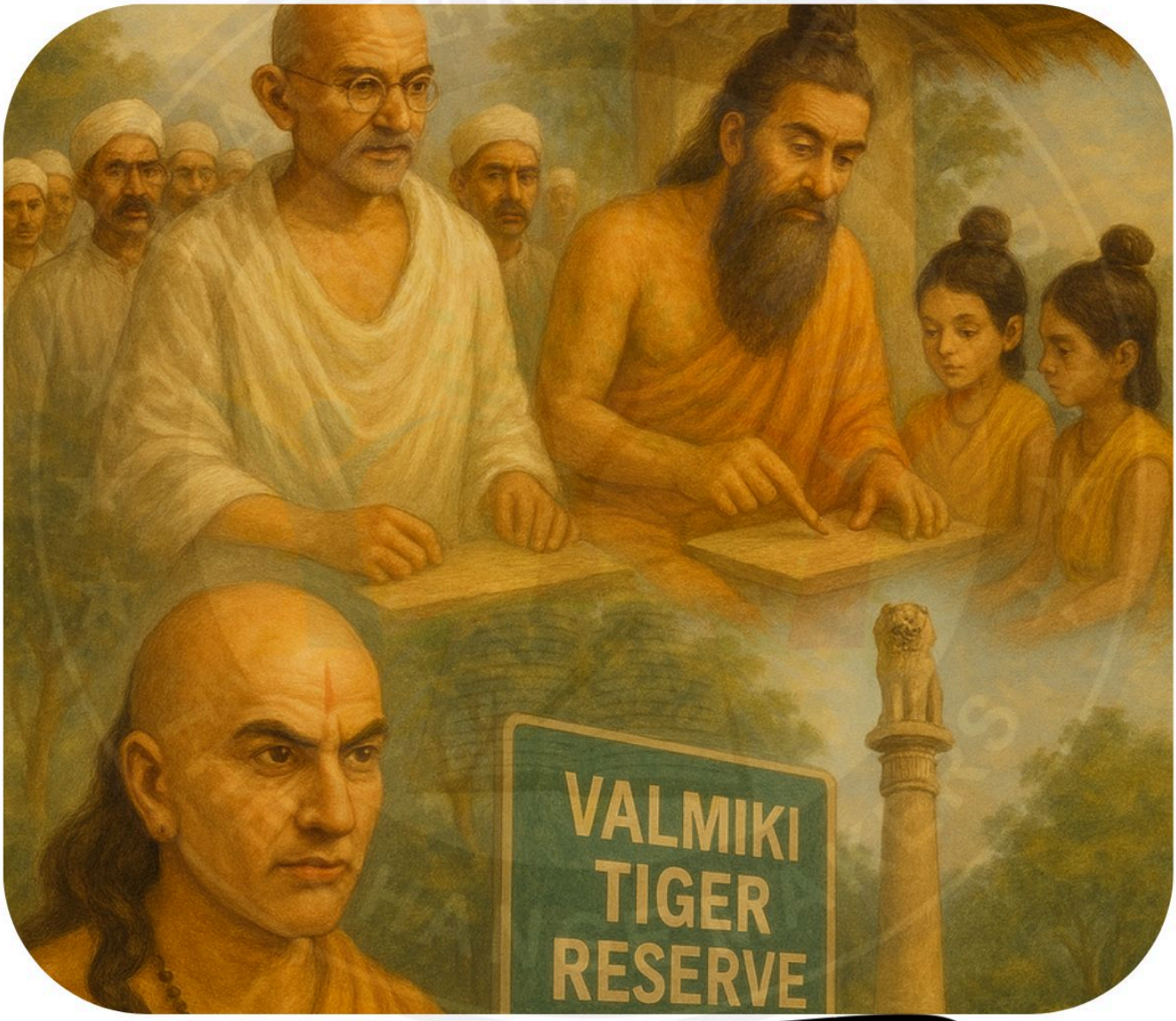

"ज्ञान बांटने से बढ़ता है।"

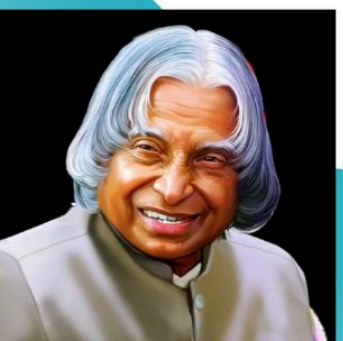

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मलेशिया की प्रशासनिक राजधानी क्या है?
उत्तर: पुत्रजया
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला अंतरिक्ष वैज्ञानिक, जिन्हें 'मिसाइल वुमन ऑफ इंडिया' भी कहा जाता है, कौन हैं?
उत्तर: टेसी थॉमस
प्रश्न 3. 'लावणी' किस भारतीय राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: महाराष्ट्र
प्रश्न 4. यदि किसी त्रिभुज के तीनों कोण बराबर हों, तो वह कौन-सा त्रिभुज कहलाता है?
उत्तर: समबाहु त्रिभुज
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'मुंडेश्वरी देवी मंदिर' किस जिले में है?
उत्तर: कैमूर
प्रश्न 6. केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 7. विद्युत पंखे (Electric Fan) के प्रारंभिक व्यावहारिक मॉडल का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: स्कायलर स्कैट्स व्हीलर
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के अनुसार भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराना प्रत्येक नागरिक का कौन-सा कर्तव्य माना जाता है?
उत्तर: राष्ट्रीय सम्मान का कर्तव्य
प्रश्न 9. 'उदय' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: अस्त
प्रश्न 10. मानव शरीर में ऑक्सीजन का परिवहन कौन-सा पदार्थ करता है?
उत्तर: हीमोग्लोबिन

संकलन:-

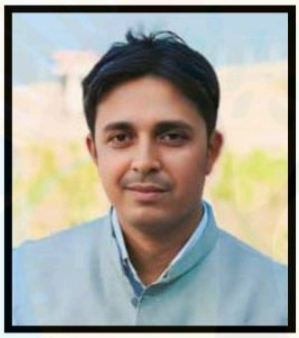

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Lips – (लिप्स) – होंठ (बहुवचन)
Lungs – (लंग्स) – फेफड़े
Spine – (स्पाइन) – रीढ़ की हड्डी
Rib Cage – (रिब केज) – पसलियों का पिंजरा
Shoulder Blade – (शोल्डर ब्लेड) – स्कंधास्थि / कंधे की हड्डी
Forefinger (Index Finger) – (फोरफिंगर / इंडेक्स फिंगर) – तर्जनी उँगली
Little Finger – (लिटल फिंगर) – कनिष्ठा / छोटी उँगली

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "वे ... नहीं करेंगे" (They will not / They won't ...)
वे कल नहीं पढ़ेंगे। – They will not study tomorrow.
वे तुम्हारी मदद नहीं करेंगे। – They will not help you.
वे समय पर नहीं आएँगे। – They will not come on time.
वे अपना काम पूरा नहीं करेंगे। – They will not finish their work.
वे अंग्रेज़ी नहीं सीखेंगे। – They will not learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 7 अगस्त को कौन सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है और यह किस ऐतिहासिक आंदोलन से जुड़ा है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: राष्ट्रीय हथकरघा दिवस; स्वदेशी आंदोलन (1905)
व्याख्या: राष्ट्रीय हथकरघा दिवस प्रतिवर्ष 7 अगस्त को मनाया जाता है, जो 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता के टाउन हॉल में शुरू हुए स्वदेशी आंदोलन की वर्षगाँठ की स्मृति में है। वस्त्र मंत्रालय 7 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (RBCC), नई दिल्ली में 12वाँ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह आयोजित करेगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि होंगी। भारत का हथकरघा क्षेत्र देश के सबसे बड़े टिकाऊ ग्रामीण रोजगार स्रोतों में से एक बना हुआ है, जो 35 लाख से अधिक व्यक्तियों की आजीविका का समर्थन करता है, जिनमें 70% से अधिक महिलाएँ हैं। भारत सरकार ने 2015 में इस दिवस की स्थापना की। स्वदेशी आंदोलन बंगाल विभाजन (1905) के विरोध में प्रारंभ हुआ था।
संदर्भ: indiaeducationdiary.in National Handloom Day 2026;

प्र.2. 5 अगस्त 2026 को RBI की MPC बैठक में रेपो दर (Repo Rate) क्या तय की गई? (समसामयिक घटना)
उत्तर: 5.25% (अपरिवर्तित)
व्याख्या: RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने अगस्त 3-5, 2026 की बैठक में रेपो दर को 5.25% पर अपरिवर्तित रखने का सर्वसम्मत निर्णय लिया — जो दिसंबर 2025 के बाद से अपरिवर्तित है। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि RBI "न अत्यधिक उदार है, न कठोर" (neither dovish nor hawkish) और CPI मुद्रास्फीति 4.38% (जून 2026) के साथ लक्ष्य से थोड़ी अधिक है। MPC ने "तटस्थ रुख" (Neutral Stance) बनाए रखा। RBI ने FY27 के लिए GDP वृद्धि 6.6% और CPI मुद्रास्फीति 5.1% अनुमानित की। अगली MPC बैठक 5-7 अक्टूबर 2026 को होगी। "रेपो दर" वह दर है जिस पर RBI वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है — यह मौद्रिक नीति का प्रमुख उपकरण है।
संदर्भ: forbesindia.com RBI MPC August 2026 Repo Rate Unchanged;

प्र.3. "माटी की मूर्तियाँ" और "ठेले पर हिमालय" किस प्रसिद्ध हिंदी व्यंग्यकार और यात्रा-वृत्तांत लेखक की प्रमुख कृतियाँ हैं? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: हरिशंकर परसाई
व्याख्या: हरिशंकर परसाई (1924-1995) हिंदी साहित्य के सर्वश्रेष्ठ व्यंग्यकारों में से एक थे। "ठेले पर हिमालय" (1958) उनका प्रसिद्ध यात्रा-वृत्तांत है जिसमें उन्होंने सामाजिक विसंगतियों पर गहरी टिप्पणी की है। "माटी की मूर्तियाँ", "रानी नागफनी की कहानी", "सदाचार का ताबीज़", "वैष्णव की फिसलन" उनकी अन्य प्रमुख व्यंग्य रचनाएँ हैं। उन्हें 1982 में "साहित्य अकादमी पुरस्कार" और 1995 में "पद्म भूषण" मिला। परसाई मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के जमानी गाँव में जन्मे थे। उन्होंने भ्रष्टाचार, पाखंड और सामाजिक अन्याय पर तीखे व्यंग्य लिखे जो आज भी प्रासंगिक हैं।
संदर्भ: हरिशंकर परसाई — "ठेले पर हिमालय", 1958; Sahitya Akademi Award 1982;

प्र.4. "वनों की कटाई" (Deforestation) का बाढ़ और जल-प्रवाह पर क्या प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जल-अवशोषण घटता है, नदियाँ तेज़ बहती हैं, बाढ़ बढ़ती है
व्याख्या: वनों की जड़ें (Roots) वर्षा जल को मिट्टी में अवशोषित करती हैं और धीरे-धीरे नदियों में छोड़ती हैं। जब वन काटे जाते हैं: (1) मिट्टी की जल-अवशोषण क्षमता घटती है; (2) वर्षा का जल सीधे नदियों में जाता है जिससे नदियों में जल-स्तर अचानक बढ़ता है; (3) मिट्टी का कटाव (Soil Erosion) बढ़ता है — यह मिट्टी नदियों में जमा होकर उन्हें उथला बनाती है जिससे बाढ़ का खतरा और बढ़ता है; (4) वाष्पोत्सर्जन घटने से स्थानीय वर्षा कम होती है लेकिन जो वर्षा होती है वह अधिक विनाशकारी होती है। उत्तर बिहार में नेपाल की तराई में वनों की कटाई से कोसी, गंडक की बाढ़ अधिक विनाशकारी हो गई है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 7 Conservation of Plants and Animals, p. 89–91;

प्र.5. "स्वदेशी आंदोलन" (1905) में हथकरघा और खादी को किस राष्ट्रीय नेता ने "आर्थिक स्वाधीनता" का प्रतीक बनाया? (इतिहास)
उत्तर: महात्मा गाँधी
व्याख्या: "स्वदेशी आंदोलन" 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता में बंगाल विभाजन के विरोध में प्रारंभ हुआ था। इसमें लाल-बाल-पाल (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल) ने नेतृत्व किया। बाद में महात्मा गाँधी ने "चरखा" और "खादी" को स्वदेशी आंदोलन का केंद्र बनाया — 1920 के असहयोग आंदोलन में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। गाँधीजी ने कहा था — "जब भी आप संशय में हों या जब आपका 'स्व' बहुत प्रबल हो जाए, तो यह कसौटी आजमाएँ — उस सबसे गरीब और कमजोर आदमी का चेहरा याद करो जो तुमने कभी देखा हो।" खादी गाँव की आर्थिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक थी।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 14–22;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत के पश्चिमी तट" पर "मालाबार" क्षेत्र में उत्पादित होने वाला कौन सा मसाला "काली मिर्च" (Black Pepper) के अलावा सर्वाधिक प्रसिद्ध है और यह किस हथकरघा केंद्र के निकट उत्पन्न होता है? (भूगोल)
उत्तर: इलायची (Cardamom); इडुक्की (केरल)
व्याख्या: केरल का "मालाबार तट" और "इडुक्की" जिला "मसालों की रानी" इलायची (Cardamom) के उत्पादन का विश्वप्रसिद्ध केंद्र है। भारत विश्व में इलायची का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है (ग्वाटेमाला के बाद)। केरल के "कासरगोड" और "कन्नूर" जिले हथकरघा और कपड़ा उत्पादन के भी प्रमुख केंद्र हैं। "कासरगोड की सूती साड़ियाँ" GI Tag प्राप्त हैं। केरल में मालाबार का काली मिर्च, इलायची, अदरक, हल्दी और लौंग — ये पाँच "पंचामृत मसाले" — प्राचीन काल से अरब और यूरोपीय व्यापारियों को आकर्षित करते थे। वास्को द गामा 1498 में इन्हीं मसालों की तलाश में कालीकट पहुँचा था।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 4 Agriculture, p. 42–46;

प्र.7. "कपड़ा उद्योग" (Textile Industry) भारत के किस संविधान सूची के अंतर्गत आता है और KVIC का पूर्ण नाम क्या है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: समवर्ती सूची (Concurrent List); खादी और ग्रामोद्योग आयोग
व्याख्या: "वस्त्र उद्योग" (Textile Industry) भारतीय संविधान की "समवर्ती सूची" (Concurrent List — सातवीं अनुसूची) के अंतर्गत आता है — इसका अर्थ है कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारें इस पर कानून बना सकती हैं। "KVIC" (Khadi and Village Industries Commission — खादी और ग्रामोद्योग आयोग) की स्थापना 1956 में "खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम, 1956" के अंतर्गत हुई। यह वस्त्र मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। "हथकरघा (Handloom)" और "पावरलूम (Powerloom)" — दोनों भारतीय वस्त्र उद्योग की दो प्रमुख शाखाएँ हैं। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक देश है।
संदर्भ: Constitution of India, Seventh Schedule — Concurrent List;

प्र.8. "हथकरघा" (Handloom) बुनाई में "ताना" (Warp) और "बाना" (Weft) का क्या वैज्ञानिक महत्व है? (विज्ञान)
उत्तर: ताना — लंबाई में धागे; बाना — चौड़ाई में धागे; दोनों के गुणन से कपड़ा बनता है
व्याख्या: हथकरघा (Handloom) बुनाई में दो प्रकार के धागों का उपयोग होता है: (1) ताना (Warp): लंबाई की दिशा में लगाए गए धागे — ये करघे में आड़े (Vertical) खिंचे रहते हैं; (2) बाना (Weft): चौड़ाई की दिशा में बुने जाने वाले धागे — इन्हें "शटल" (Shuttle) की सहायता से ताना धागों के बीच से आर-पार गुजारा जाता है। दोनों धागों के आपस में गुथने (Interlacing) से कपड़े की संरचना बनती है। इसी "बुनाई पैटर्न" को बदलकर साटन (Satin), ट्विल (Twill), प्लेन (Plain Weave) जैसे विभिन्न कपड़े बनते हैं। NCERT विज्ञान में "बहुलक और रेशे" (Fibres and Fabrics) इसी अध्ययन का भाग है।
संदर्भ: NCERT Science Class 6, Ch 3 Fibre to Fabric, p. 22–28;

प्र.9. बिहार की "भागलपुरी सिल्क" (Bhagalpuri Silk/Tussar Silk) हथकरघा क्षेत्र में विश्वप्रसिद्ध है — यह किस प्राकृतिक स्रोत से प्राप्त होती है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: तसर रेशम कीट (Antheraea mylitta) के कोकून से
व्याख्या: "भागलपुरी सिल्क" या "तसर सिल्क" (Tussar Silk) बिहार के भागलपुर जिले से उत्पन्न होने वाली एक विशेष रेशमी कपड़ा परंपरा है। यह "Antheraea mylitta" (वन्य रेशम कीट) के कोकून से प्राप्त प्राकृतिक रेशम है। शहतूत रेशम (Mulberry Silk) की तुलना में तसर सिल्क मोटी, टिकाऊ और प्राकृतिक सुनहरी-भूरे रंग की होती है। भागलपुर को "सिल्क सिटी ऑफ इंडिया" कहते हैं। इसे GI Tag (Geographical Indication) प्राप्त है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर "भागलपुरी सिल्क" भारत की गौरवशाली वस्त्र विरासत का प्रतीक है। बिहार के झारखंड से लगे वन क्षेत्रों में तसर कीट पालन होता है।
संदर्भ: GI Registry India — Bhagalpur Silk; NCERT Science Class 7, Ch 3 Fibre to Fabric, p. 28–31

प्र.10. बिहार के "भागलपुर जिले" में हथकरघा बुनकर समुदाय के साथ कौन सा प्राचीन बौद्ध स्थल भी स्थित है जिसका संबंध "विक्रमशिला विश्वविद्यालय" से है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: अंतीचक (Antichak)
व्याख्या: "विक्रमशिला विश्वविद्यालय" के अवशेष भागलपुर जिले के "अंतीचक" (Antichak) गाँव में गंगा के किनारे स्थित हैं। पाल वंश के राजा धर्मपाल ने 8वीं शताब्दी में इसकी स्थापना की थी — यह नालंदा के बाद भारत का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध शिक्षा केंद्र था। यहाँ तंत्रयान बौद्ध धर्म की शिक्षा दी जाती थी। तिब्बती विद्वान "दीपंकर श्रीज्ञान (अतीश)" यहाँ के प्रमुख आचार्य थे। 12वीं शताब्दी में बख्तियार खिलजी ने इसे नष्ट किया। भागलपुर में एक ओर समृद्ध हथकरघा परंपरा और दूसरी ओर यह प्राचीन ज्ञान-केंद्र — दोनों मिलकर इसे बिहार की सांस्कृतिक राजधानी बनाते हैं।
संदर्भ: NCERT History Class 12, Theme 4 Thinkers Beliefs Buildings;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W1 ("बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव") के अनुसार — W1 के अंतिम दिन बच्चों के साथ "बाढ़ सुरक्षा का पाठ समीक्षा सत्र" (Review Session) में किन पाँच प्रमुख बिंदुओं की पुनरावृत्ति होनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: बाढ़ के खतरे, डूबने के कारण, Back Float, रस्सी-फेंक, मॉक ड्रिल रूट

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W1 ("बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव के उपाय, कौशल विकास एवं अभ्यास/मॉकड्रिल") के समापन दिवस (शुक्रवार) पर शिक्षकों को पाँच प्रमुख बिंदुओं की समीक्षा करानी चाहिए: (1) बाढ़ के खतरे: बाढ़ जल में न जाएँ, रात में अधिक खतरा, अदृश्य गड्ढे-नाली; (2) डूबने के कारण: घबराहट, तेज़ बहाव, अँधेरे में जल; (3) Back Float तकनीक: पीठ के बल लेटकर हाथ-पैर फैलाएँ — जीवन रक्षक; (4) रस्सी-फेंक बचाव: स्वयं न कूदें, रस्सी/दुपट्टा फेंकें; (5) मॉक ड्रिल रूट: विद्यालय से ऊँचे सुरक्षित स्थान का क्रमबद्ध रास्ता। बच्चों को "जल सुरक्षा के पाँच स्वर्णिम नियम" का संकल्प लेते हुए W1 मॉड्यूल समाप्त करें।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W1 — "बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव के उपाय, कौशल विकास एवं अभ्यास (मॉकड्रिल)"; bsdma.org;

प्र.12. एक कपड़े की दुकान में तीन प्रकार के कपड़े हैं — खादी, हथकरघा और सिल्क — जिनकी कीमतें क्रमशः ₹120, ₹180 और ₹360 प्रति मीटर हैं। यदि तीनों का 2:3:1 के अनुपात में मिश्रण बनाया जाए तो मिश्रण का औसत मूल्य क्या होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: ₹186 प्रति मीटर

व्याख्या: कुल अनुपात = 2+3+1 = 6 भाग। भारित मूल्य = (2×120) + (3×180) + (1×360) = 240 + 540 + 360 = ₹1,140। औसत मूल्य = 1,140 ÷ 6 = ₹190 प्रति मीटर। (पुनर्गणना: 240+540 = 780+360 = 1140; 1140÷6 = 190*)।* उत्तर: ₹190। यह "भारित औसत" (Weighted Average) का मानक प्रश्न है। जब अलग-अलग मात्राओं में चीजें मिलाई जाएँ, तब साधारण औसत नहीं — भारित औसत निकाला जाता है। सूत्र: $(w_1 \times p_1 + w_2 \times p_2 + w_3 \times p_3) \div (w_1+w_2+w_3)$। यह BPSC, SSC, Bank PO और Railway परीक्षाओं में "Mixture and Alligation" और "Weighted Average" श्रेणी में आता है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 3 Data Handling — Average, p. 58–62;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

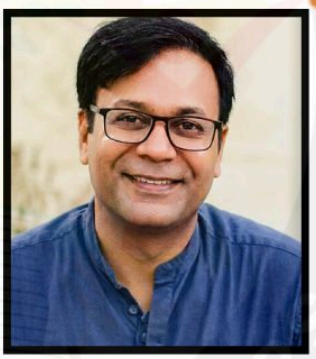

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Aberration (ऐबररेशन) = Deviation (डिविएशन) = विचलन / असामान्यता

Antonym – Normality (नॉर्मैलिटी) = सामान्यता

Cajole (कजोल) = Persuade (परस्वेड) = मीठी बातों से मनाना / फुसलाना

Antonym – Dissuade (डिस्वेड) = मना करना / हतोत्साहित करना

Dogmatic (डॉगमैटिक) = Opinionated (ओपिनियनेटेड) = हठधर्मी / अपने विचारों पर अड़ा रहने वाला

Antonym – Open-minded (ओपन-माइंडेड) = उदार विचारों वाला

Exacerbate (इग्ज़ैसरबेट) = Worsen (वर्सन) = और अधिक बिगाड़ना / गंभीर बनाना

Antonym – Ameliorate (अमीलियोरेट) = सुधारना / बेहतर बनाना

Fervent (फर्वेन्ट) = Ardent (आर्डेन्ट) = उत्साही / जोशीला / प्रबल

Antonym – Apathetic (एपैथेटिक) = उदासीन / उत्साहहीन

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Jal Shakti Launches 'National Groundwater Aquifer Grid 3.0' for Real-Time Water Resource Monitoring.
हिन्दी अनुवाद: जल शक्ति मंत्रालय ने वास्तविक समय के जल संसाधन निगरानी के लिए 'राष्ट्रीय भूजल एक्विफर ग्रिड 3.0' का शुभारंभ किया।
देश भर में जल सुरक्षा और भूजल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जल शक्ति मंत्रालय ने नया डिजिटल प्लेटफॉर्म अधिसूचित किया है। यह नेटवर्क उपग्रह इमेजरी और भूमिगत रिमोट सेंसर प्रणालियों का उपयोग करके राज्यों को भूजल स्तर में परिवर्तन और पुनर्भरण (Recharge) क्षेत्रों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Deep-Tech Innovation Index 2026', Highlighting Commercialization in Quantum and Robotics.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय डीप-टेक नवाचार सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें क्वांटम और रोबोटिक्स में व्यावसायीकरण को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत रोबोटिक्स और एआई-संचालित बायो-मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में पेटेंट फाइलिंग और व्यावसायिक अनुप्रयोगों में कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह रिपोर्ट भारतीय स्टार्टअप्स और अकादमिक अनुसंधान संस्थानों के प्रदर्शन का आकलन करती है।

English Headline: ISRO Conducts Successful Flight Test of Indigenous Carbon-Composite Structural Assembly for Reusable Launch Vehicle (RLV).
हिन्दी अनुवाद: इसरो (ISRO) ने पुनरुप्रयोज्य प्रक्षेपण वाहन (RLV) के लिए स्वदेशी कार्बन-कंपोजिट संरचनात्मक असेंबली का सफल उड़ान परीक्षण किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) में हलके और अत्यधिक मजबूत कार्बन-कंपोजिट सामग्री से निर्मित रॉकेट ढांचे का सफल परीक्षण पूरा किया। यह तकनीक भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों में रॉकेट का वजन घटाने और पेलोड क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Passes Resolution Establishing 'Global Safety Protocol for Space Debris Mitigation and Satellite Disposability'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'अंतरिक्ष मलबे को कम करने और उपग्रह निपटान के लिए वैश्विक सुरक्षा प्रोटोकॉल' स्थापित करने वाला प्रस्ताव पारित किया।
संयुक्त राष्ट्र के विशेष सत्र के दौरान सदस्य राष्ट्रों ने पृथ्वी की निम्न कक्षा (LEO) में मलबे के संचय को रोकने के लिए एक सर्वसम्मत अंतर्राष्ट्रीय नियामक ढांचे को मंजूरी दी। इस समझौते के तहत सभी अंतरिक्ष एजेंसियों और वाणिज्यिक उपग्रह ऑपरेटरों के लिए सेवा समाप्त होने पर उपग्रहों का सुरक्षित निपटान अनिवार्य किया गया है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Commit $2.4 Billion Climate Finance Facility for South Asian Coastal Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई तटीय बुनियादी ढांचे के लिए $2.4 बिलियन की जलवायु वित्त सुविधा प्रतिबद्ध की।
समुद्र के बढ़ते जलस्तर और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों का सामना कर रहे दक्षिण एशियाई देशों (विशेष रूप से भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका) के तटीय क्षेत्रों को सुरक्षित करने के लिए यह पैकेज मंजूर किया गया है। इस राशि का उपयोग चक्रवात रोधी आश्रयों, बाढ़ सुरक्षा तटबंधों और मैंग्रोव संरक्षण के लिए होगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Vector-Borne Disease Early Warning Network 2.0' to Address Climate Risks.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए 'वैश्विक कीट-जनित रोग पूर्व चेतावनी नेटवर्क 2.0' की शुरुआत की।
वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ (WHO) ने जिनेवा में एक उन्नत डिजिटल निगरानी प्रणाली शुरू की है। यह नेटवर्क रीयल-टाइम स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण करके संभावित महामारी के हॉटस्पॉट्स की समय से पहले पहचान करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Drone Promotion Policy 2.0' to Subsidize Modern Farming Equipment.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने आधुनिक कृषि उपकरणों पर सब्सिडी देने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-ड्रोन प्रोत्साहन नीति 2.0' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि आधुनिकीकरण और फसलों पर उर्वरकों व कीटनाशकों के कुशल छिड़काव को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने नई सब्सिडी नीति स्वीकृत की है। इसके तहत किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और कृषि स्नातकों को कस्टम हायरिंग सेंटरों के माध्यम से कृषि ड्रोन खरीदने पर विशेष वित्तीय सहायता दी जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetland Ecosystems in Gandak Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक बेसिन की आर्द्रभूमियों की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पश्चिमी बिहार के पारंपरिक जल निकायों और संवेदनशील पारिस्थितिकीय आर्द्रभूमियों (Wetlands) के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित मैपिंग और जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना और क्षेत्र में भूजल स्तर को सुधारना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Shooting Contingent Tops Medal Tally at ISSF Junior World Championship with Gold-Heavy Performance in Pistol Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय निशानेबाजी दल ने पिस्टल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन के साथ आईएसएसएफ (ISSF) जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय युवा निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय टीम ने 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धाओं में कई स्वर्ण और रजत पदक जीतकर अंक तालिका में पहला स्थान बरकरार रखा।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Rolls Out Updated Athlete Workload and Recovery Guidelines for Global Events.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए अद्यतन एथलीट कार्यभार और रिकवरी दिशानिर्देश लागू किए।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की शारीरिक सहनशक्ति बनाए रखने और चोटों से बचाव के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ (BWF) ने नए तकनीकी नियम अधिसूचित किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत मेडिकल रिकवरी प्रोटोकॉल को अनिवार्य बनाया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"मेहनत के धागे"

(राष्ट्रीय हथकरघा दिवस विशेष)

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज मालती मैडम बच्चों के सामने एक सुंदर हाथ से बुना हुआ गमछा लेकर आईं। उन्होंने बच्चों से पूछा, "बच्चों, क्या तुम जानते हो कि यह कपड़ा कैसे बनता है?"

कुछ बच्चों ने कहा, "मशीन से।" तभी अजय बोला, "मैडम, शायद इसे किसी बुनकर ने बनाया होगा।"

मालती मैडम मुस्कुराईं और बोलीं, "बिल्कुल सही। यह हाथकरघे पर एक बुनकर ने अपने हाथों से तैयार किया है। हर धागे में उसकी मेहनत, धैर्य और वर्षों का अनुभव छिपा है।"

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई।

एक छोटे से गाँव में रामदास नाम के एक बुनकर रहते थे। वे रोज़ सुबह सूर्योदय से पहले उठते, करघे पर बैठते और बड़े धैर्य से एक-एक धागे को जोड़ते। कई बार एक साड़ी या चादर तैयार करने में कई दिन लग जाते, लेकिन वे कभी जल्दबाज़ी नहीं करते।

एक दिन उनका बेटा बोला, "पिताजी, इतनी मेहनत क्यों करते हैं? मशीन तो यह काम बहुत जल्दी कर देती है।"

रामदास मुस्कुराए और बोले, "बेटा, मशीन कपड़ा बना सकती है, लेकिन हाथों की मेहनत, लगन और आत्मीयता नहीं बुन सकती। हर धागा हमारी पहचान और हमारे श्रम की कहानी कहता है।"

कुछ दिनों बाद विद्यालय में हथकरघा प्रदर्शनी लगी। बच्चों ने रामदास द्वारा बुने गए वस्त्रों को देखा और उनकी सुंदरता की प्रशंसा की। तब अजय को समझ में आया कि किसी भी वस्तु का मूल्य केवल उसकी कीमत से नहीं, बल्कि उसे बनाने वाले के परिश्रम से भी होता है।

मालती मैडम ने बच्चों से कहा, "राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हमें सिखाता है कि हर श्रमिक, कारीगर और बुनकर का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। जब हम स्वदेशी और हाथ से बने उत्पादों का सम्मान करते हैं, तब हम उनके परिश्रम का भी सम्मान करते हैं।"

उस दिन सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे हर श्रमिक के श्रम का आदर करेंगे और अपने देश की कला एवं कारीगरी पर गर्व करेंगे।

संदेश : "हर धागा केवल कपड़ा नहीं बुनता, वह मेहनत, धैर्य और आत्मसम्मान की कहानी भी बुनता है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर — बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहां से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

> सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> पूनम राय, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : नवादा, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: नवादा: ककोलत का प्रपात, सकरी-तिलैया का पाट और छोटानागपुर का उत्तरी कछार

शेखपुरा की सीमाओं को पीछे छोड़ते हुए, एक निश्चित भौगोलिक क्रम में दक्षिण की ओर बढ़ते हुए हमारा अगला पड़ाव प्राचीन मगध का दक्षिणी सीमांत, जैन दर्शन की तपोभूमि, सूर्य उपासना का पावन केंद्र और ककोलत जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता को समेटे सुरम्य ज़िला– नवादा है।

ककोलत की शीतल धाराओं, पावापुरी के सीमांतों और राजा हरिश्चंद्र व जरासंध की पौराणिक स्मृतियों से अलंकृत यह ज़िला बिहार दर्शन की इस कड़ी का एक अत्यंत समृद्ध, प्राकृतिक रूप से मनमोहक और पुरातात्विक रूप से बेजोड़ अध्याय है।

प्रस्तुत है नवादा संपुटी का अंक-01:

शीर्षक: नवादा: ककोलत का प्रपात, सकरी-तिलैया का पाट और छोटानागपुर का उत्तरी कछार

भौगोलिक, प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से नवादा केवल एक ज़िला नहीं, बल्कि दक्षिण बिहार के मैदानी भागों और झारखंड के छोटानागपुर पठार के बीच स्थित एक प्राकृतिक और व्यापारिक प्रवेश द्वार है। वर्ष 1973 में गया ज़िले से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह ज़िला मगध प्रमंडल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में नालंदा और शेखपुरा, पूर्व में जमुई, दक्षिण में झारखंड के कोडरमा व गिरिडीह तथा पश्चिम में गया ज़िले को स्पर्श करती हैं। यह सीमांत अवस्थिति नवादा को बिहार और झारखंड के खनिज व व्यापारिक गलियारों के बीच एक अपरिहार्य सेतु बनाती है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी विशेषता सकरी, तिलैया (धनांजय), खुरी और पंचाने जैसी बरसाती और पहाड़ी नदियों का प्रवाह तंत्र है। ये न नदियाँ झारखंड की कोडरमा पहाड़ियों से निकलकर नवादा के धरातल को सींचती हुई उत्तर की ओर बहती हैं। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नवादा का भूगोल दो स्पष्ट भागों में विभक्त है—उत्तरी एवं मध्य भाग, जो अत्यधिक उपजाऊ 'केवाल' और 'दोमट' मिट्टी से बना मगध का मैदानी इलाका है, तथा दक्षिणी भाग (गोविंदपुर, रजौली और सिरदला), जो छोटानागपुर पठार की कटी-फटी पहाड़ियों और वनों से आच्छादित है।

इस विविध भू-आकृति की सबसे बड़ी और वैश्विक पहचान गोविंदपुर प्रखंड में स्थित ककोलत जलप्रपात (Kakolat Waterfall) है। लगभग 150 से 160 फीट की ऊँचाई से ककोलत पहाड़ी की घनी वादियों में गिरता यह शीतल जलप्रपात केवल एक प्राकृतिक चमत्कार नहीं, बल्कि बिहार के सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। इसके आसपास के सघन वन क्षेत्र स्थानीय जैव-विविधता और सूक्ष्म-जलवायु का मुख्य आधार हैं। इसके अतिरिक्त, रजौली का रजौली वन्यजीव अभ्यारण्य (Rajauli Wildlife Sanctuary) क्षेत्र के पर्यावरण और वन्यजीवों को सुरक्षित प्राकृतिक संरक्षण प्रदान करता है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय शुष्क मानसूनी है। दक्षिणी पठारी निकटता के कारण गर्मियों में रजौली और अकबरपुर के इलाकों में तापमान काफी ऊँचा रहता है, जबकि सर्दियों में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इस भूगोल का सीधा प्रभाव स्थानीय कृषि आर्थिकी पर पड़ता है; जहाँ उत्तरी मैदानी भागों में धान, गेहूं और चने की सघन खेती होती है, वहीं दक्षिणी और पश्चिमी भागों में अभ्रक (Mica Belt) के खनिज साक्ष्य और वनीय उपज (महुआ, तेंदू पत्ता) स्थानीय आजीविका को संबल प्रदान करते हैं। परंतु, पहाड़ी नदियों में अचानक आने वाली बाढ़ और सुदूर इलाकों में सिंचाई संसाधनों की कमी यहाँ के किसानों के लिए एक प्रमुख भौगोलिक चुनौती बनी रहती है।

ककोलत की गिरती शीतल धाराओं, सकरी नदी के रेतीले पाटों और मगध के इस दक्षिणी सीमांत का यह प्रामाणिक भौगोलिक विश्लेषण बिहार के प्राकृतिक पर्यटन और पठारी-मैदानी पर्यावरण को समझने के लिए एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org